लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

YOUTH WILL CATAPULT INDIA TO THE FOREFRONT OF GLOBAL DEVELOPMENT: LOK SABHA SPEAKER/हमारे युवा वैश्विक विकास में भारत को अग्रणी बनाएंगे: लोक सभा अध्यक्ष

…

WE NEED TO HARNESS ENERGY OF THE YOUTH TO LEAD THE WORLD: LOK SABHA SPEAKER/विश्व का नेतृत्व करने के लिए युवा ऊर्जा का उपयोग करने की आवश्यकता है: लोक सभा अध्यक्ष

…

ENERGY, ENTHUSIASM, AND DETERMINATION OF YOUTH PROVIDE ESSENTIAL INGREDIENTS FOR PROSPERITY, INNOVATION, AND SOCIAL HARMONY ON THE GLOBAL STAGE: LOK SABHA SPEAKER/युवाओं की ऊर्जा, उत्साह और दृढ़ संकल्प ही वैश्विक समृद्धि, नवाचार और सामाजिक सद्भाव का आधार है: लोक सभा अध्यक्ष

…

LOK SABHA SPEAKER URGES YOUTH TO STEP UP AND POSITION INDIA AS A FRONTRUNNER IN TECHNOLOGY, INNOVATION, ARTIFICIAL INTELLIGENCE AND STARTUPS/लोक सभा अध्यक्ष ने युवाओं से आगे बढ़कर प्रौद्योगिकी, नवाचार, आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस और स्टार्टअप के क्षेत्र में भारत को अग्रणी बनाने का आग्रह किया।

…

LOK SABHA SPEAKER ADDRESSES VALEDICTORY FUNCTION OF THE NATIONAL YOUTH PARLIAMENT FESTIVAL, 2024/लोक सभा

अध्यक्ष ने राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव , 2024 के समापन समारोह को संबोधित किया।

…

New Delhi; 6 March, 2024: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla addressed the Valedictory Function of the National Youth Parliament Festival, 2024 organised by the Ministry of Youth Affairs and Sports in the Central Hall of Samvidhan Sadan, today.

Extending his congratulations to the winners and participants who had advanced to the final round following rigorous competition at the Zonal and State levels, Shri Birla expressed appreciation of the enthusiasm of the youthful assembly. He remarked that he was deeply pleased to witness such skilled orators with clear thinking, feeling assured that the responsibility of achieving the goal of 'Viksit Bharat' lay in very capable hands.

Highlighting the historical significance of the venue chosen for the Finale of the Youth Parliament, Shri Birla underscored the appropriateness of Samvidhan Sadan, particularly its iconic Central Hall, for hosting such an event. He emphasized that this sacred hall had played a pivotal role in India's nation-building journey, marking the transition from foreign subjugation to democracy and the establishment of the Republic. Urging the young participants to take pride in the legacy associated with the venue, Shri Birla reminded them of the profound dedication exhibited by the members of the Constituent Assembly who deliberated in this very space to draft a robust Constitution, ensuring rights, equality, and justice for every Indian citizen. Referring to the portraits gracing the Central Hall, Shri Birla invoked the memory of the individuals depicted, highlighting their significant roles and sacrifices. He emphasized their crucial contributions to shaping India's nascent democracy and noted how their legacies continue to inspire and guide us today.

Expressing his unwavering confidence in the potential of today's youth to propel India towards becoming a thriving, fully developed and progressive nation in all aspects, Shri Birla emphasized that the energy, enthusiasm, and determination of the youth provide the essential ingredients for realizing a future where India stands as a beacon of prosperity, innovation, and social harmony on the global stage. He further remarked that in today's age of technological advancement and innovation,

it is imperative for India's youth to step up and position the country as a frontrunner in technology, innovation, artificial intelligence, startups, and related fields. Drawing from his observations, he emphasized that on a global scale, particularly in domains like technology, medicine, and innovation, it is the Indian youth who are leading the charge for change and progress.

Expressing confidence in the capability of students to realize Prime Minister Narendra Modi's vision of a flourishing, fully developed nation by 2047, Shri Birla urged them to utilize their skills to catapult India to the forefront of global development. He stressed the abundance of opportunities in the present era, highlighting the anticipation within the international community for India's innovative solutions to global challenges. Encouraging young individuals to face future hurdles with unwavering courage, he emphasized that their resilience would serve as the foundation for a robust and determined India. He observed that we need to harness the energy of the youth to lead the world.

Shri Birla also highlighted the achievements of last year's G-20 and P-20 Conferences, where global leaders reached unanimous resolutions, showcasing India's prominence on the global stage. Highlighting India’s prowess on the world stage Shri Birla highlighted the remarkable triumph of the UPI platform, which has garnered praise from global leaders, all eager for its swift adoption in their respective advanced nations.

The Speaker stated that the 21st century belongs to India, and called on the youth to take this vision to its rightful conclusion with their ingenuity, determination, and relentless pursuit of excellence. Shri Birla also distributed the Prizes and Certificates to the National Winners of the National Youth Parliament Festival, 2024.

Union Minister for Sports and Youth Affairs Shri Anurag Singh Thakur remained present on this occasion.

नई दिल्ली; 6 मार्च, 2024: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव, 2024 के समापन समारोह को संबोधित किया।

क्षेत्रीय और राज्य स्तर पर कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद अंतिम राउन्ड में पहुंचने वाले प्रतिभागियों और विजेताओं को बधाई देते हुए, श्री बिरला ने युवा सभा के उत्साह की सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि स्पष्ट सोच वाले कुशल वक्ताओं को देखकर उन्हें बहुत खुशी हुई और वह आश्वस्त हैं कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने की जिम्मेदारी बहुत सक्षम हाथों में है।

युवा संसद के समापन के लिए चुने गए स्थान के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए, श्री बिरला ने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए संविधान सदन, विशेष रूप से इसके प्रतिष्ठित केन्द्रीय कक्ष की उपयुक्तता पर बल दिया। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि इस पवित्र कक्ष ने भारत की राष्ट्र-निर्माण की यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और यह कक्ष विदेशी अधीनता से आजाद होकर देश में लोकतंत्र और गणतंत्र की स्थापना का प्रतीक है। युवा प्रतिभागियों से इस पावन स्थल से जुड़ी विरासत पर गर्व करने का आग्रह करते हुए, श्री बिरला ने संविधान सभा के सदस्यों के बारे में उन्हें बताया जिन्होंने पूरी निष्ठा के साथ प्रत्येक भारतीय नागरिक के लिए अधिकार, समानता और न्याय सुनिश्चित करने के लिए और एक सशक्त संविधान का प्रारूप तैयार करने के लिए इसी स्थान पर विचार-विमर्श किया था। केन्द्रीय कक्ष की शोभा बढ़ाने वाले चित्रों के बारे में बात करते हुए, श्री बिरला ने उन महान नेताओं का स्मरण किया और उनके द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के साथ ही उनके बलिदान के बारे में विस्तार से बताया। भारत के नवस्थापित लोकतंत्र को स्वरूप देने में उनके महत्वपूर्ण योगदान के बारे में बताते हुए श्री बिरला ने कहा कि उनकी विरासत से आज भी हमें प्रेरणा और मार्गदर्शन मिलता है।

भारत को एक संपन्न, पूर्ण विकसित और प्रगतिशील राष्ट्र बनाने में आज के युवाओं की क्षमता में अपना अटूट विश्वास व्यक्त करते हुए, श्री बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि युवाओं की ऊर्जा, उत्साह और दृढ़ संकल्प से भारत भविष्य में विश्व मंच पर समृद्धि, नवाचार और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक बन सकता है। उन्होंने आगे कहा कि तकनीकी प्रगति और नवाचार के वर्तमान युग में, युवाओं के लिए यह आवश्यक है कि वे आगे बढ़कर देश को प्रौद्योगिकी, नवाचार, आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस, स्टार्टअप और इससे जुड़े क्षेत्रों में

भारत को एक अग्रणी देश के रूप में सुस्थापित करें। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि विश्व स्तर पर, विशेष रूप से प्रौद्योगिकी, चिकित्सा और नवाचार जैसे क्षेत्रों में, भारतीय युवा परिवर्तन और प्रगति का नेतृत्व कर रहे हैं।

वर्ष 2047 तक देश को समृद्ध, पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को साकार करने में छात्रों की क्षमता पर भरोसा जताते हुए, श्री बिरला ने उनसे वैश्विक विकास में भारत को अग्रणी बनाने के लिए अपने कौशल का उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान युग में पर्याप्त अवसर मौजूद हैं और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय भी वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए भारत की ओर देख रहा है । युवाओं को भविष्य की बाधाओं का सामना साहस के साथ करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनका दृढ़ संकल्प एक मजबूत और सशक्त भारत की नींव रखेगा। श्री बिरला ने यह भी कहा कि विश्व का नेतृत्व करने के लिए युवाओं की ऊर्जा का उपयोग करने की आवश्यकता है।

श्री बिरला ने पिछले साल हुए जी-20 और पी-20 सम्मेलनों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्व मंच पर भारत की प्रधानता को दर्शाते हुए विश्व नेताओं ने सर्वसम्मति से संकल्प पारित किया। विश्व मंच पर भारत की शक्ति पर प्रकाश डालते हुए श्री बिरला ने यूपीआई प्लेटफॉर्म की उल्लेखनीय उपलब्धि के बारे में भी बताया जिसे पूरी दुनिया के नेताओं ने सराहा है और वे अपने उन्नत देशों में इसे अपनाने के लिए उत्सुक हैं।

अंत में, लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि 21वीं सदी भारत की है, और इसी क्रम में उन्होंने युवाओं से निष्ठा, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्ट प्रयासों के साथ इस सपने को साकार करने का आह्वान किया। श्री बिरला ने राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव, 2024 के राष्ट्रीय विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

इस अवसर पर केंद्रीय खेल एवं युवा कार्यक्रम मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर भी उपस्थित रहे।